हृदय और धड़कन

वर्ष-5, अंक-52, अप्रैल 20, 2014

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

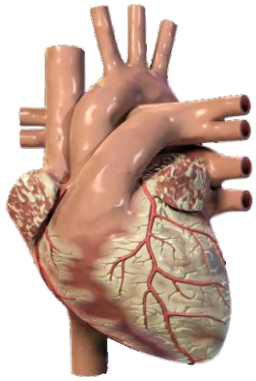

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नाईक +91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता +91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला +91-99250 15056
डॉ. गुणवंत पटेल +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख +91-98250 66664
डॉ. मिलन चग +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी +91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा +91-98250 96922

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक +91-90991 11133
डॉ. सौरभ जयस्वाल +91-95867 25827

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह +91-98250 44502

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया +91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ +91-91732 04454

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ +91-99246 12288
डॉ. मिलन चग +91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया +91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक +91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला +91-99250 15056

वाल्वुलर हार्ट डिसीझ और सगर्भावस्था

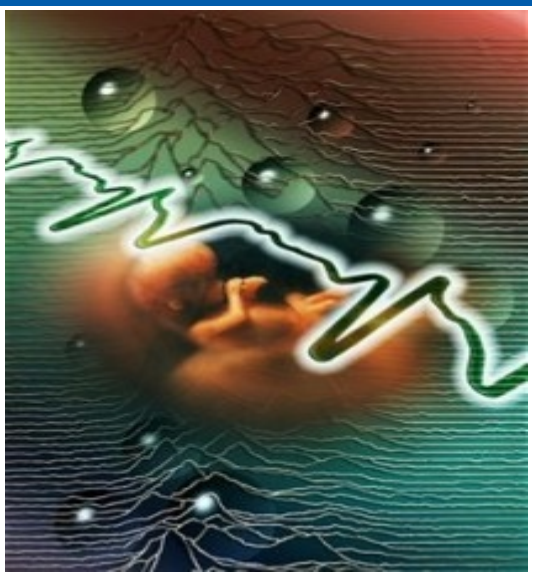

- हृदय को प्रभावित करने वाले रोगों में रह्युमेटिक हृदय रोगों का दर भारत में बहुत अधिक है ।
- माइट्रल वाल्व प्रोलेप्स से पीड़ित महिलाओं को सगर्भावस्था में आमतौर पर कोई समस्या नहीं होती ।
- आमतौर पर सगर्भावस्था में माइट्रल रीगर्जीटेशन (लीक होने वाला वाल्व) आसानी से सहन हो जाता है । मरीज़ का हृदय कमजोर हो तो सगर्भावस्था के समय माँ की स्थिति जोखिम में पड सकती है । एसीई इन्हीबीटर्स का उपयोग भी टालना चाहिऐ जिससे गर्भ के विकास में कोई बुरा प्रभाव न पडे ।
- अओर्टिक रीगर्जीटेशन के मरीज़ों को सगर्भावस्था में ज्यादातर कोई तकलीफ नहीं होती । यदि कोई तकलीफ हो, तो उसका इलाज डाइयुरेटिक्स और वेसोडाईलेटर दवाईयों से सम्भव है ।
- इससे विपरीत, संकुचित माइट्रल वाल्व (माइट्रल स्टिनोसिस) से पीड़ित महिलाओं को गर्भावस्था में कठिन समस्या का सामना करना पड़ सकता है और तकलीफ बहुत बढ सकती है ।
- जिस समय गर्भाधान संभव हो, उन वर्षो में वाल्व बदलने का निर्णय और सर्जरी का सही समय निर्धारित करना, दोनों ही बहुत कठिन निर्णय है । आमतौर पर सगर्भावस्था में होने वाली वाल्व की बीमारी को संभालना कम दुविधाजनक होताहै, जब कि प्रोस्थेटिक (कृत्रिम) वाल्व के साथ सगर्भावस्था मरीज़ के लिए जोखिम वाली हो सकती है ।

युवावस्था और हृदयरोग

छोटी उम्र के लोगो में हृदय रोग हो जाये यह काफी चिंताजनक बात है। युवा रोगी को मौत के मूँह में से बचाना मतलब उसकी पत्नी, बच्चों को एक लंबे व दुखदायक सफर में से बचाना।

तीस वर्षीय एक युवक की छाती में दर्द हुआ और वह गिर पड़ा। मेरे अस्पताल तक पहुंचने के पहले रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई। अस्पताल पहुचने पर उसे मृत जाहिर किया। मरनेवाला अपने पीछे एक युवा विधवा और एक छोटे बच्चे को छोड़ कर गया।

एक साल बाद एक रविवार को जब में कुछ फुरसत में बैठा था, तब एक डॉक्टर मित्र का फोन आया उन्होने मुझे कहा कि सर, श्री पटेल के पुत्र को छाती का तीव्र दर्द हुआ है। मैने कहा कि वह तो पिछले साल मर गया था। 'यह उनका दूसरा तीस साल का बेटा है!' मैने तुरंत आइ.सी.यु. ओन व्हील्स (मोबाइल आइ.सी.यु.) भेज दी। आइ.सी.यु. ओन व्हील्स एक आधुनिक साधन सामग्री, वेन्टीलेटर, पेसमेकर से सुसज्जित एक विशिष्ट एम्बुलेंस है। श्री पटेल का परिवार ज्यादा वजन वाले मोटे सदस्यों से भरा है। वे बहुत अच्छे लोग थे, पर उनको स्वादिष्ट भोजन, बिना व्यायामवाली जीवनशैली, और शरीर का वजन भी बहुत पसंद था।

आते ही मैने उनकी जांच की। उनकी छाती में भारीपन था. और पसीना हो रहा था। मैने स्टेथस्कोप के उपयोग से उनके हृदय को 'सुना'। उनका हृदय बहुत धीरे से धड़क रहा था। मैने तुरंत ही उनका इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम लिया। इ.सी.जी. कागज में दर्शाया जाने वाला एक विद्युतकीय रेकोर्डिंग है। यह हृदय रोग के हमलों का निदान करने का एक अचूक मार्ग है। इ.सी.जी. के द्वारा दिल के दौरे की तीव्रता निश्चित हो गई। मैं रविवार का आराम भूल गया। यहां मैं हृदयरोग के हमले वाले परिवार के दूसरे पुत्र के साथ था। एक साल पहले ही एक भाई की मृत्यु हो चुकी थी। आँसू भरी आँखो के साथ उसकी पत्नी ने मुझसे कुछ उपाय करने की विनती की।

आइ.सी.यु. ओन व्हील्स

पहले के समय में जब किसी को हृदयरोग का हमला आता था, तब उसे दवाएं दी जाती थीं, परंतु आज समय बदल गया है।

रोगी की पत्नी ने कहा 'केयुरभाई, इनके हृदय में रोकेट अथवा एरोप्लेन रखो!' उसका पति बहुत मोटा था, परंतु एक पूरा प्लेन रखा जा सके इतना मोटा तो नहीं था!

वास्तव में वो मुझे कहना चाहती थी कि 'बलून एन्जियोप्लास्टी' करो। बलून एन्जियोप्लास्टी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमे एक छोटा केथेटर पैर / हाथ में से हृदय तक पहुचाने के लिए धमनी में से रखा जाता है। एक बार उसको अंदर डालने के बाद मैं कार्डियाक केथेटराइजेशन लेबोरेटरी नामक एक्स-रे मशीन के द्वारा दिशा देखता हूं। अन्त में केथेटर का उपयोग बंद पड़ी हुई धमनी को खोलने में करता हूं।

सर्जन ने अपने मरीज को बैठने को कहा, 'नटवरभाई आप के टेस्ट रिपोर्ट आ गये हैं और मुझे डर है कि ऑपरेशन करवाना पड़ेगा। यह बहुत गंभीर प्रक्रिया है और मुझे बताना पड़ेगा कि चार में से एक मरीज इसमें जीवित नहीं रहता है।'

'इसका मतलब ७५ प्रतिशत केस में ऑपरेशन सफल होते हैं?' नटवरभाई ने पूछा।

'परन्तु आप के ऑपरेशन में मैं कोई जिम्मेदारी नहीं लूंगा।'

'क्यों?' नटवरभाई घबरा गए।

'मेरे पिछले तीन ऑपरेशन सफल हुए हैं।'

मैने रोगी को एन्जियोग्राफी टेबल पर सुलाया। वह जाग रहा था। उसके पांव से मैने केथेटर अंदर रखा और उसके हृदय के चित्र लिए। उसने मुझसे पूछा 'क्या चित्र रंगीन होंगे? क्या मुझे उसकी वी.सी.डी. या डी.वी.डी. बनानी पड़ेगी? क्या इसमें स्टिरियो साउंड होगी?' वह आदमी इस तरह पूछ रहा था जैसे कि मैं यश चोपड़ा या

बॉलीवुड का कोई डायरेक्टर हूं। सच लोग बहुत ही मजाकिया होते हैं, अपनी मृत्युशय्या पर भी। मैने उनके हृदय का चित्र लिया तब वे हंसे और पूछा, 'क्या मेरा हंसता चेहरा एन्जियोग्राफी फिल्म में आएगा!'

अंत में मैं १०० प्रतिशत बंद धमनी देख सका। मैने केथेटर के द्वारा धमनी के अंदर बलून रखा और धमनी को खोला। उनको बेहतर महसूस होने लगा, उनका दर्द बंद हो गया, किन्तु तभी अचानक उनका हृदय बंद पड़ गया। उन्होने सांस लेना बंद किया! इस स्थिति को 'कार्डियाक अरेस्ट' कहते हैं, हृदयरोग के हमले में रोगी की मृत्यु का यह एक मुख्य कारण है। मैं पसीने पसीने हो गया, मैने अपने सहकर्मी को बुलाकर हृदय का मसाज कर उसे शॉक देने को कहा। तात्कालिक 'डीफीब्रीलेटर' के दो झटके हृदय को ३०० और ३६० एनर्जी के स्तर पर दिए गए। मेरा रोगी तुरंत उठ गया। इस परिस्थिति को 'सडन कार्डियाक डेथ' कहते हैं, सौभाग्य से मेरी धमनी (जब मैं एन्जियोग्राफी करता हूं जब मैं अपने रोगी के हृदय के साथ इस कदर जुड़ जाता हूं कि उसके बाद उसके हृदय को 'मेरा हृदय' और उसकी धमनियों को 'मेरी धमनी' कहता हूं।) अभी भी खुली थीं। धीरे-धीरे उनमें सुधार आने लगा। उन्हे क्रिटिकल केयर युनिट में ले जाया गया। मैं उसे बचाकर खूब खुश था। उसकी पत्नी आँसू भरी आँखो के साथ मेरे गले लग गई।

आई.सी.सी.यु.

नली खुलने के बाद की खुशी

इस तरह, इस किस्से में मैने धमनी को सफलतापूर्वक खोलने के लिए तात्कालिक एन्जियोप्लास्टी की और रोगी केवल तीन दिनों में घर चला गया।

आज तक मुझे वे कुछ क्षण याद हैं जब उसका हृदय बंद पड़ गया था। मानो मेरा ही हृदय बंद पड़ गया हो! सौभाग्यवश आधुनिक टेक्नोलोजी के कारण मैं उसे बचा सका। अब उसने १० किलो वजन कम किया है और वह रोज ३ से ५ कि.मी. चलता है और उसकी जीवनशैली भी बदल गई है।

मेरे वृद्ध रोगी भी काफी हंसमुख हैं जब उनको हृदयरोग का हमला आता है और मैं उनसे पूछता हूं कि छाती में दर्द है, तब वे मुझसे कहते हैं कि 'कोनेस्टीपेशन' (कब्ज) के कारण पेट में दर्द है। जब मैं पूछता हूं कि पसीना आता है, तो वे मुझे कहते हैं कि कसरत करते हैं तब।

एक ७० साल की वृद्धा ने मुझसे पूछा कि मैं ३५ साल की हूं ऐसा महसूस कर रही हूं। क्या सचमुच आपकी एन्जियोग्राफी से ७० साल के इस शरीर को युवा बनाकर ३५ साल का कर देंगे?

शरीर तो मैं बदल नहीं सकता, पर अनगिनत रोगियों के हृदय की एन्जियोप्लास्टी करके उनके हृदयों को मजबूत व युवा बना सका हूं, और इस प्रकार ५ - १५ वर्ष की उम्र बढ़ाने में मदद कर सका हूं। ८० - ८५ साल के कई रोगी इस प्रक्रिया से स्वस्थ होकर १ - २ दिन में घर लोट सकते हैं।

सौजन्य 'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख

CIMS

जल्द आ रहा है

दुनिया का अत्याधुनिक रेडियोथेरापी वर्सा-एच.डी. (इलेक्टा) और सीम्स कैन्सर सेन्टर

2D-RT ◆ 3D-CRT ◆ IMRT ◆ IGRT ◆ VMAT

SBRT ◆ SRT ◆ SRS ◆ BRACHYTHERAPY

उपलब्ध सेवाएँ

- हेड और नेक ओन्कोलॉजी
- ब्रेस्ट क्लिनिक
- जी.आई. ओन्कोलॉजी
- न्युरो ओन्कोलॉजी
- लीम्फोमा और ल्युकोमीया क्लिनिक
- गायनेक ओन्कोलॉजी
- बोन और सारकोमा क्लिनिक
- पेईन क्लिनिक
- पेलीयेटीव केर क्लिनिक
- सायकोलोजीक्ल काउन्सेलींग
- स्पीच थेरेपी
- फीजीकल रिहेबीलीटेशन

आपको आपके कैन्सर की बीमारी का दुसरा अभिप्राय चाहिए तो नीचे दिये गये डॉक्टर का संपर्क करे

सीम्स अस्पताल:
शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) वेब : www.cims.me
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1257 (मो) +91-99792 75555
ईमेल : cims.cancer@cimshospital.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें :
+91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

डॉ. देवांग सी भावसार
एम.डी.
+91-98253 74411

डॉ. किंजल आर. जानी
एम.डी.
+91-98255 76533

अमेरीकन कॉलेज ऑफ कार्डियालॉजी (ACC)
(विश्व की उच्चतम संस्था)
प्रमाणित करता है सीम्स हॉस्पिटल को
ACC – सेन्टर ऑफ एक्सेलन्स

CIMS

समस्त विश्व और भारत में एवं गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेशमें विश्वस्तरीय उच्चत्तम हृदय रोग के ईलाज के लिए एक मात्र हॉस्पिटल

कार्डियोलॉजिस्ट			
डॉ. अजय नाईक	098250 82666	डॉ. सत्य गुप्ता	099250 45780
डॉ. विनीत सांखला	099250 15056	डॉ. गुणवंत पटेल	098240 61266
डॉ. केयूर परीख	098250 66664	डॉ. मिलन चग	098240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	098250 66939	डॉ. हेमांग बक्षी	098250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	098250 96922		
पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट			
डॉ. कश्यप शेठ	099246 12288	डॉ. मिलन चग	098240 22107

कार्डियक सर्जन	
डॉ. धीरेन शाह	098255 75933
डॉ. धवल नायक	090991 11133
डॉ. सौरभ जयस्वाल	095867 25827
पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन	
डॉ. शौनक शाह	098250 44502
कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट	
डॉ. अजय नाईक	098250 82666
डॉ. विनीत सांखला	099250 15056

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट	
डॉ. निरेन भावसार	098795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	095863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	091732 04454
कार्डियोवास्क्युलर, थोराकीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन	
डॉ. प्रणव मोदी	099240 84700
निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट	
डॉ. अमित चितलीया	090999 87400

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care
www.cims.me

सीम्स एक्सप्रेस (कार्डियोलॉजी) उसी दिन अपोईन्टमेन्ट नये मरीज़ / दुसरे अभिप्राय के लिये
फॉन 098250 66661, 079-3010 1008 (सुबह 9 से शाम 5 बजे तक) 098244 50000 (24 x 7)
सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

हृदय रोग की बिमारी के लक्षण (Angina Pectoris)

CIMS

- क्या आप जानते के अंदाजित ५० प्रतिशत लोगो में हृदय की बिमारी के पहले लक्षण में हि दिल का दौरा पडता है ।
- क्या आप जानते है कि हार्ट एटेक के दौरान २५ प्रतिशत लोग डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले ही उनकी मृत्यु हो जाती है ।
- एन्जायना क्या है ? : श्रम करते समय के मानसिक तनाव के समय छिने में दुःखना, दबाण या जलन हो जो ५ से १० मीनीट तक चलती है और आराम करने से बंध हो जाती है । यह दुःखावा दाएं से बांए खभे के हाथमें या गले में भी फैल सकता है ।
- श्वास लेने में तकलीफ
- पसीना होना
- चक्कर आना
- बहुत थकान महसुस करना
- उबके और उलटी होती हो
- चिंता या आने वाले संकट को महसुस करना
- १० प्रतिशत मरीज हार्ट एटेक के दौरान किसी भी प्रकार की चेतावनी /लक्षण को महसुस नहीं करते ।

अगर आपको इन लक्षणोमें से कोई लक्षण है तो आज ही अपने डॉक्टर का संपर्क करे ।

सीम्स इन्फेक्शीयस डिसीज़ (संक्रामक रोग) विभाग

सीम्स अस्पताल में सभी प्रकार के संक्रामक (इन्फेक्शियस) रोगों से पीड़ित मरीज़ों के लिए इलाज की सुविधा उपलब्ध है । यह संभव हो पाया है हमारे अस्पताल में पूर्ण समय संक्रामक रोग सलाहकार (इन्फेक्शियस डिसीज कन्सलटन्ट) की उपस्थिति की वजह से, जो निम्नलिखित विषयों में निपुणता रखते हैं -

1. समुदायमें उत्पन्न होने वाले इन्फेक्शन्स जैसे की-
   - श्वसन मार्ग के इन्फेक्शन (रेस्पीरेटोरी ट्रेक्ट इन्फेकशन्स) - न्युमोनिया, फेफडेमें पस आदि
   - हृदयमें इन्फेक्शन (कार्डियाक इन्फेक्शन्स) - इन्फेक्टीव एन्डोकार्डाईटीस आदि
   - युरिन एवं किडनी के इन्फेक्शन्स
   - दिमागी इन्फेक्शन (न्युरोलोजीकल इन्फेक्शन्स) - मेनिन्जाइटिस आदि
   - पाचन मार्ग और लीवर के इन्फेक्शन (गेस्ट्रोइन्टेस्टीनल ट्रेक्ट और लीवर इन्फेकशन्स) - (हिपेटाइटिस-बी, हिपेटाइटिस-सी आदि)
   - अस्थि और जोड़ो के इन्फेक्शन (सेप्टिक आर्थ्राईटीस, ओस्टियोमाईलाइटिस)
   - क्षयरोग (टी.बी.)
   - एचआईवी इन्फेक्शन्स
2. ओर्गन ट्रान्सप्लान्ट के मरीज़ों में होने वाले इन्फेक्शन (जैसे कि लीवर, किडनी ट्रान्सप्लान्ट)
3. कमजोर रोगप्रतिकारक शक्ति वाले मरीज़ों में चेप - मरीज़ जो स्टेरोइड और रोगप्रतिकारक शक्ति कम करने वाली दवाई लेते हो, कैन्सर के मरीज़ जो कीमोथेरेपी लेते हो आदि
4. अस्पताल में उत्पन्न होने वाले इन्फेक्शन जैसे की वेन्टिलेटर की वजह से होने वाले न्युमोनिया, युरिनरी केथेटरकी वजह से होने वाले इन्फेक्शन
5. **रसीकरण :** स्वस्थ और कमजोर रोगप्रतिकारक शक्ति वाले वयस्को के लिये
6. देश-विदेशमें भ्रमण करने वाले लोगो के लिये मेडिकल सलाह और रसीकरण

डॉ. सुरभि मदान
इन्फेक्शीयस डिसीज़ कन्सलटन्ट
एम.डी. (जनरल मेडिसीन)
फेलोशीप इन्फेकशीयस डिसीज
(हिन्दुजा हॉस्पिटल, मुंबई)
मोबाईल : **+91-9712971863**

अपोईन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे
+91-79-3010 1200
+91-79-3010 1008
(मो) +91-98250 66661

सीम्स कार्डियाक सर्जरी केयर

हृदय की शस्त्रक्रिया में भारत में ख्यातनाम टीमोमें से एक

- १२००० से भी ज्यादा ओपन हार्ट सर्जरी का अनुभव - नियमित कार्डियाक सर्जरीमें मीनीमली इन्वेझीव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) का उपयोग, हाइ रीस्क ओपन हार्ट सर्जरी, हार्ट फेल्योर सर्जरी, माइट्रल वाल्व रीपेर
- बच्चो की हृदयकी सर्जरी के साथ अत्याधुनिक टेकनोलोजी का उपयोग जैसे की सतत इको इवेल्युअेशन हार्ट सर्जरी के दौरान
- अत्याधुनिक ऑपरेशन थीयेटर्स और आइसीयु

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

सीम्स अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ और जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन अब से राजस्थानमें निम्नलिखित स्थान पर परामर्श के लिये मिलेगें ।

डॉक्टर का नाम	दिन	समय	स्थान	अपोइन्टमेन्ट नंबर
डॉ. सत्य गुप्ता (हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 9 से 12 बजे	**जोधपुर**	+91-9879882909
		दोपहर 2 से 7 बजे	**पाली**	+91-9879882909
	तीसरे रविवार	सुबह 8 से 11 बजे	**सुमेरपुर**	+91-9879882909
		दोपहर 12 से 1 बजे	**सीरोही**	+91-9879882909
		शाम 4 से 5 बजे	**आबु रोड**	+91-9879882909
	चौथे रविवार	सुबह 8 से 11 बजे	**भीनमाल**	+91-9879882909
		दोपहर 12 से 3 बजे	**सांचोर**	+91-9879882909
		शाम 4 से 5 बजे	**धानेरा**	+91-9879882909
डॉ. कश्यप शेठ (बाल हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे बुधवार	सुबह 11 से 1 बजे	भंडारी चिल्ड्रन अस्पताल 90-एल रोड, भोपालपुरा, **उदयपुर**।	+91-9924612288
डॉ. धीरेन शाह **डॉ. धवल नायक** **डॉ. सौरभ जयस्वाल** (हृदय की बायपासके विशेषज्ञ) **डॉ. पुरव पटेल** (दिमाग और स्पाईन सर्जरी के विशेषज्ञ) **डॉ. अमिर संघवी** (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ) **डॉ. जयंत झाला** (सर्जीकल गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी के विशेषज्ञ)	चौथे शनिवार	सुबह 10 से 1 बजे	अमर आशिष अस्पताल दामीनी होटल के नजदीक, एम.बी. गर्वमेन्ट अस्पताल के सामने, **उदयपुर** ।	+91-9825108257 +91-9099066527
डॉ. अमिर संघवी **डॉ. अतीत शर्मा** (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ)	पहले शनिवार	सुबह 9 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
		दोपहर 3 से 5 बजे	रोज़ अस्पताल, वुडलेन्ड होटल के पास, **पाली** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
	तीसरे बुधवार	सुबह 9 से 1 बजे	अमर आशिष अस्पताल एम.बी. गर्वमेन्ट अस्पताल के सामने, **उदयपुर** ।	+91-9099537491 +91-9824420220
डॉ. जयंत झाला (सर्जीकल गेस्ट्रोएन्ट्रोलोजी हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी के विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 8 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, **जोधपुर** ।	+91-97129 97096
		दोपहर 4 से 6 बजे	रोज़ अस्पताल, वुडलेन्ड होटल के पास, **पाली** ।	+91-97129 97096

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2013-2015 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2015

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | www.cims.me

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।